हिंदी-साहित्य मंडल
२०१६-२०१७

सिडनहॅम महाविद्यालय के हिंदी साहित्य मंडल की ओर से हिंदी-दिवस के उपलक्ष्य में द्वी-दिवसीय कार्यक्रम 'धुन' का आयोजन २० एवं २१ सितंबर २०१६ को किया गया I दो दिन के इस कार्यक्रम में साहित्यिक, साहित्येतर, सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए गए I विद्यार्थियों के लिए साहित्य से संबंधित प्रतियोगिता, और फाईन आर्ट प्रतियोगिता भी रखे गए I

द्वी-दिवसीय कार्यक्रम 'धुन' के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि **महाराष्ट्र** राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष माननीय प्रो. नंदलाल पाठक थे I मुख्य अतिथि ने सरस्वती पूजन एवं दीप

प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया I

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि ने भाषा के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भाषा को विकसित करने के लिए सबसे बडी कडी है जनमानस I वह भाषा सबसे ज्यादा शक्तिशाली एवं प्रभावी होती है जो सहजता एवं सरलता से बोली एवं समझी जाए I उन्होंने अपने तथ्य को रखते हुए बैंगलोर की घटना का जिक्र करते हुए बताया की जब मैं वहाँ गया तो देखा कि सबसे ज्यादा हिंदी का विरोध करनेवाले राज्य में दो टॅक्सी ड्रायवर आपस में हिंदी में झगड रहे थे I मुख्यतः कार्यक्रम के अतिथि माननीय पाठकजी कवि समीक्षक एवं गजलकार है I पाठकजीने अपनी गजलों को सुनाकर महाविद्यालय के सभागृह में बैठे सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया I तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आण्णासाहेब खेमनर सर ने वर्तमान समय में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिंदी कविता का वाचन किया और सबका दिल जीत लिया I

हिंदी साहित्य मंडल की प्रभारी अधिव्याख्याता डॉ. आशा धुरे ने हिंदी साहित्य मंडल के द्वी-दिवसीय कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 'धुन' कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए काव्य लेखन, भाषण प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता, प्रश्नमंजुषा, चारकोल पेंटीग, पॉट पेंटीग, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, मॉडल मेकिंग, अंताक्षरी प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता को आयोजित किया है I कार्यक्रम का सूत्रसंचालन बी.एम.एस. विद्यार्थी अली ने किया I

शैक्षणिक वर्ष २०१६-२०१७ में हिंदी साहित्य मंडल की प्रभारी अधिव्याख्याता डॉ. आशा धुरे एवं मंडल सदस्य श्रीमती शबाना खान है तथा विद्यार्थी अध्यक्ष ध्रुव लाड एवं उपाध्यक्ष राहुल छाबडा है I 'धुन' कार्यक्रम के पहले दिन साहित्यिक एवं साहित्येतर प्रतियोगिता को आयोजित किया गया I एवं उसी दिन संध्या में विद्यार्थियों के लिए गरबा नृत्य रखा गया I जिसमें बेस्ट कस्ट्यूम एवं बेस्ट डान्सर का पुरस्कार रखा गया I

दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम गायन एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन सभागृह **में** किया गया I जिसमें महाविद्यालय के तकरीबन पचास विद्यार्थियो ने स्पर्धा में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया I नृत्य में लोकनृत्य एवं फ्यूजन-नृत्य का समावेश किया गया I विभिन्न राज्य के प्रसिद्ध **लोकनृत्य** प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियो ने देश के **विभिन्न** राज्यों की संस्कृति को अवलोकित किया I जिसमे विद्यार्थियो ने

राजस्थानी, गुजराती, लावणी, **भरतनाट्यम**, भांगणा, कत्थक, हिप-हॉप, बॉलीवुड नृत्य प्रस्तूत किया I अंताक्षरी प्रतियोगिता में **विद्यार्थियो** ने लीक से हटकर परंपराओ से चली आ रही अंताक्षरी का आयोजन एक नए तरीके से किया I

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आण्णासाहेब खेमनर सर के हाथों पुरस्कार वितरण समारोह हुआ I विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता **प्रतियोगियो** को पुरस्कार देते हुए प्राचार्य ने अंत में हिंदी में अपने विचार व्यक्त किए I हिंदी साहित्य मंडल ने 'धुन' कार्यक्रम में अपना-अपना योगदान देनेवाले विभागो में से बेस्ट पब्लिसिटी विभाग एवं इवेंट विभाग को घोषित किया I

हिंदी साहित्य मंडल की तरफ से विशेष पुरस्कार शीतल, निकिता, **रुचिका**, अक्षिता, ध्रुव, राहुल, श्रद्धा को दिया गया I मंडल की प्रभारी अधिव्याख्याता आशा धुरे एवं श्रीमती शबाना खान ने पुरस्कार विजेताओं की हौसला अफजाई करते हुए बधाई दी I अंत में कार्यक्रम का समापन करते हुए प्रभारी अधिव्याख्याता ने अपने **धन्यवाद** भाषण दिया I मंडल के पूर्व विद्यार्थी एवं **वर्तमान** समय के सभी मंडल सदस्य विद्यार्थियो को **धन्यवाद** देते हुए भविष्य में इसी प्रकार की **प्रतियोगिता** में भाग लेने के लिए प्रेरित किया I साथ ही सभागृह में उपस्थित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर को धन्यवाद दिया जिन्होने कार्यक्रम में आकर कार्यक्रम की शोभा बढाते हुए उसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और हिंदी साहित्य मंडल के गौरव को बनाए रखा I

==========******==========